संस्कृतप्रमाणपत्रीय

तृतीयवर्ष

पाठ्यक्रमे संशोधनम्-अनिवार्यविषयाः

प्रथमप्रश्नपत्रम् – व्याकरणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – काव्यस्य

तृतीयप्रश्नपत्रम् – दर्शनम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् – इतिहास-संस्कृति

वैकल्पिक विषया:

पंचमप्रश्नपत्रम्- हिन्दी/अंग्रेजी

प्रथमप्रश्नपत्रम् – व्याकरणम्

क- लघुसिद्धानत कौमुदी तद्धित, कृदन्त, स्त्रीप्रत्यययाभ्वादिप्रकरणच्चण्यन्तु, सन्नन्त, यडन्त, षडलुगन्त, रूपमात्रम्

ख- पाणिनीय शिक्षा

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – काव्यस्य

क- काव्यांलकारसूत्रवृत्तिः - वामनः
आदितः गणप्रकरणपर्यन्तम्

ख- अलंकाराणि – (अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, यमक, अतिशयोक्ति, रूपक, श्लेष, विभावना, विशेषोक्ति, काव्यलिंग, अर्थन्तरन्यास, दृष्टान्त, विरोधाभास)

लक्षणउदाहरणपात्रम्

तृतीयप्रश्नपत्रम् – दर्शनम्

क- तर्कभाषा केशवमिश्र – अनुमानोपपानप्रकरणपर्यन्तम्

ख- तर्कसंग्रह:

ग- चतुर्थप्रश्नपत्रम् – इतिहास-संस्कृति

चतुर्थप्रश्नपत्रम् – इतिहास-संस्कृति

क- वैदिक/लौकिकसंस्कृतसाहित्यस्य संक्षिप्तेतिहास:

ख- भारतीय सभ्यताया: परिचय:

सहायकग्रन्था: -

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र मिश्र
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय
4. वैदिक विज्ञान और भातीय संस्कृति – गिरिधर शर्मा चतुर्वेद:

वैकल्पिक विषया:

पंचमप्रश्नपत्रम्- हिन्दी

1. पथिक – रामनरेश त्रिपाठी
2. रम्या – डा0 सरोज विसारिया
3. गहन हिन्दी शिक्षण भाग-2 (सांचा अभ्यास 1 से 20 तक सं0बी0रा0 जगन्नथन् प्रकाशन आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रस2/11 अंसारी रोड दिल्ली-6)

अथवा

अंग्रेजी -

1. अंग्रेजी पाठ्यक्रम संलग्नक पर है।

पंचमपत्रम् – (हिन्दी)

क- किशोर भारती

(भारति जय, विजय करे।, शहीद बकरी, प्राणी वही प्राणी है, भीखाई जाति, ऐसे थे गांधी, दोहा एकादश, पथिक से समय समय की हवा, फिर रि उठती है माटी की लौ, भक्ति पदावली)

संस्कृतप्रमाणपत्रीय

द्वितीयवर्ष

प्रथमपत्रम् – व्याकरणम् (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

क- सन्धि प्रकरणम्

हल, विसर्ग, स्वादि, प्रकृतिभावः

ख- विभक्त्यर्थ प्रकरणम्

ग- समाज प्रकरणम्

द्वितीयपत्रम् – (काव्यम्)

क- रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)

ख- कर्णभारम्

ग- अलंकाराः (अनुप्रासः, यमक, श्लेषः, उपमा, रूपकः, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, अपह्नुति, काव्यलिङ्गम्, व्यतिरेक)

घ- वृत्तम् – (इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजीत, अनुष्टुप्, वशस्थँ, वसन्ततिलका, मलिनी, मन्दक्रन्ता, शिखरिणी, शर्दूलविर्कण)

तृतीयपत्रम् – (दर्शनम्)

तर्कसंग्रह (मूलमात्रम्)

चतुर्थपत्रम् – (अनुवादः)

क- संस्कृतभाषायाः हिन्दी/आङलभाषायां

हिन्दी/आङलभाषातः संस्कृतभाषायाम्

ख- संस्कृतवाक्यरचनाः

ग- रिक्तस्थान पूर्तिः

घ- अशुद्धिः संशोधनम्

ङ- लघुनिबन्धः पत्रलेखन वा संस्कृतभाषायाम्

ख- हीन्दीभाषाया: संस्कृतभाषायाम्

ग- वाक्यरचना

घ- शून्यस्थान, पूरणादय:

चतुर्थपत्रम् – (हिन्दी)

(i) बाल भारती

(ii) हिन्दी व्याकरण और रचना

संस्कृतप्रमाणपत्रीय

प्रथमवर्ष

प्रथमपत्रम् –

क- व्याकरणम् (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

(i) वर्ण उच्चारण स्थानम्

(ii) अच् सन्धिः (यण-गुण वृद्धि दीर्घ अनुस्वरादि)

ख- शब्दरूपम्

(i) अजन्त, बालक, हरि, भानु, धातु, पितृ, विद्या, मति, नदी,

(ii) हलन्त, विद्वस्, राजन्, पथिन्, बुद्धिमत्, महत्, धनिन्,

(iii) सर्वनाम, युष्मद्, अस्मद् इदम्, तत्, किम्, यत्, सर्वृ, एक

ग- धातुरूपम् (लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट्)

भू, अस्, कृ, पठ्, वद्, स्था, पा, द्दश, नी, लिख्, प्रच्छ

घ- अमरकोष

स्वर्गः, देवः, बुद्धः, ब्रह्म, शिव, विष्णु, उमा, गणेश, इन्द्रः, व्योमन्, वायुः, राक्षसः, दिशा, सूर्यः, काल, बुद्धि, मोक्षः, समुद्रः, वारि, कमलम्, पृथ्वी, वृक्षः, मनुष्य पुत्र, विद्वान्, भिक्षुः, राजनद्व रिपुः

द्वितीयपत्रम् – (काव्यम्)

क- मूलरामायणम्

ख- पच्चतन्त्रस्य अपरीक्षितकारकम् 1-5

तृतीयपत्रम् – (अनुवादः)

क- संस्कृतभाषायः हिन्दीभाषायम् आङ्लभाषायां वा।

संस्कृतविद्याविभागः

शास्त्री-तृतीयवर्षे

प्रथमपत्रम् – (वेदः)

(i) वेदचयनम् (पुरुषसूक्तम्)

(ii) निरुक्तम् (1 अध्यायः)

(iii) ईश-प्रश्न-कठ (1-2 वल्ली) उपनिषदः

द्वितीयपत्रम् – व्याकरणम्

(i) सिद्धान्तकौमुदी (लकारार्थः स्त्रीप्रत्ययः)

(ii) परमलघुमञ्जूषा

तृतीयपत्रम् – साहित्यम्

(i) साहित्यदर्पणम् (4-7 परिच्छेदाः)

(ii) शिशुपलवधम् (1-2 सर्गौ)

(iii) हर्शचरितम् (प्रथमोच्छवासः)

चतुर्थपत्रम् – दर्शनम्

(i) ब्रह्मसूत्रम् (चतुःसूत्रीपर्यन्तम्-शाङ्करभाष्यसहितम्)

(ii) सांख्यतत्वकौमुदी

संस्कृतविद्याविभागः

शास्त्री-द्वितीयवर्षे

चतुर्थपत्रम् – (व्याकरण-भाषाविज्ञानञ्च)

(i) सिद्धान्तकौमुदी (कारक-समासाः)

(ii) भाषाविज्ञानम् (ध्वनिपरिवर्तनम्)

पञ्चमपत्रम् – साहित्यम्

(i) कुमारसम्भवम् (4, 5, 7 सर्गाः)

(ii) साहित्यदर्पण (1-3 परिच्छेद)

(iii) वेणीसंहारम्

षष्ठपत्रम् – दर्शनम्

(i) योगसूत्रम्

(ii) विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः

(iii) भगवद्गीता (11, 12, 18 अध्यायाः)

संस्कृतविद्याविभागः

शास्त्री-प्रथमवर्षे

चतुर्थपत्रम् – (व्याकरण-भाषाविज्ञानञ्च)

(i) वेदचयनम् (अग्नि-इन्द्र-शिवसंकल्पसूक्तम्)

(ii) पातञ्जलमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्)

(iii) सिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा-परिभाषाप्रकरणे)

(iv) भाषाविज्ञानम् (भाषायाः उतपत्तिः, आकृतिमूलक वर्गीकरणञ्च)

पञ्चमपत्रम् – साहित्यम्

(i) किरातार्जुनीयम् (1-2 सर्गे)

(ii) कादम्बरी (शुकणाशोपदेशः)

(iii) काव्यमीमांसा (1-2 अध्यायौ)

षष्ठपत्रम् – दर्शनम्

(i) सर्वदर्शन (सङ्ग्रहः)

(ii) मनुस्मृतिः (1-2 अध्यायौ)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

आज दिनांक 15.07.2023 को कुलपति जी के अध्यक्षता में प्रवेश–समिति की आवश्यक बैठक उनके कार्यालय कक्ष में आहूत हुई। जिसमें अधोलिखित सदस्यगण उपस्थित हुए–

1. कुलपति	–	अध्यक्ष
2. छात्रकल्याणसंकायाध्यक्ष	–	सदस्य
3. वेद वेदांग संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
4. साहित्य संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
5. दर्शन संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
6. श्रमण विद्या संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
7. आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
8. आयुर्वेद संकायाध्यक्ष	–	सदस्य
9. बौद्ध दर्शन विभागाध्यक्ष	–	सदस्य
10. जैन दर्शन विभागाध्यक्ष	–	सदस्य
11. विनयाधिकारी	–	सदस्य
12. कुलसचिव	–	सचिव
13. परीक्षा नियंत्रक	–	सदस्य
14. श्री मोहित मिश्र (प्रोग्रामर)	–	विशेष आमंत्रित सदस्य

कार्यवृत्त

प्रस्ताव 01 – सत्र 2023–24 में कौशल विकास केन्द्र के अर्न्तगत संचालित पाठ्यक्रम बी0वोक के प्रवेश पर विचार।

निर्णय 01 – प्रवेश–समिति ने सर्वसम्मत से निर्णय लिया कि उपर्युक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्व वर्षों की भांति जो व्यवस्था लागू थी उसके अनुसार दिनांक 20.07.2023 से 20.08.2023 तक प्रवेश–प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाय।

प्रस्ताव 02– सामाजिक विज्ञान विभाग के अन्तर्गत संचालित स्ववित्तपोषित पत्रकारिता एवं जनसंचार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सत्र 2023–2025 तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्रवेश पर विचार।

निर्णय 02 – प्रवेश–समिति ने सर्वसम्मत से निर्णय लिया कि उपर्युक्त दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पूर्व वर्षों की भांति जो व्यवस्था लागू थी उसके अनुसार दिनांक 20.07.2023 से 20.08.2023 तक प्रवेश–प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाय।

Madhu

प्रस्ताव 03 – राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अर्न्तगत शास्त्री/आचार्य के प्रवेशावेदनपत्रों के संशोधन पर विचार।

निर्णय 03 – शास्त्री एवं आचार्य के प्रवेशावेदनपत्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अर्न्तगत बिन्दुवार संशोधन करने हेतु प्रो0 हरिशंकर पाण्डेय, प्रो0 हीरककान्ति चक्रवर्ती, प्रो0 विजय कुमार पाण्डेय, श्री उपेन्द्र नाथ द्विवेदी का समिति का गठन करने पर सहमति बनी।

प्रस्ताव 04 – सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रवेश पंजीकरण पर विचार।

निर्णय 04 – विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश–प्रक्रिया संचालन के साथ–साथ सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी शैक्षणिक सत्र 2023–24 में सभी कार्यक्रमों यथा शास्त्री प्रथम समेस्टर एवं आचार्य प्रथम समेस्टर तथा शास्त्री तृतीय, आचार्य तृतीय समेस्टर के प्रवेश–प्रक्रिया के संचालन पूर्व वर्षो की भांति की जाय। इस निमित्त दिनांक 20.07.2023 से 20.08.2023 तक महाविद्यालयों द्वारा अपने प्रवेशित छात्रों के डाटा को आनलाईन प्रवेश पोर्टल के द्वारा प्रविष्ट कराने पर निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव 05 – विश्वविद्यालय परिसर में सचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पूर्व घोषित प्रवेश–तिथि पर विचार।

निर्णय 05 – समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय परिसर के शास्त्री प्रथम समेस्टर एवं आचार्य प्रथम समेस्टर, शास्त्री तृतीय, ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री (बि0लिब), विदेशी भाषा डिप्लोमा प्रथम वर्ष, संगीत प्रमाण–पत्रीय, संस्कृत प्रमाण–पत्रीय तथा आचार्य हिन्दू अध्ययन (एम0ए0), योग आचार्य (एम0ए0), योग शास्त्री (बी0ए0), पी0जी0 डिप्लोमा इन योग (योग स्नातकोत्तर डिप्लोमा) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तिथि में वृद्धि करते हुए दिनांक 21.07.2023 से दिनांक 20.08.2023 तक अपनी सहमति दी।

प्रवेश–समिति ने अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम, छात्र संख्या, आय वर्धन हेतु स्रोत पर मन्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी विभाग के सम्मानित विभागाध्यक्षगण के द्वारा छात्र संख्या एवं आय स्रोत की अभिवृद्धि को ध्यान में रखते हुए शास्त्र संरक्षण के साथ–साथ नयी शिक्षा नीति – 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण कर अध्ययन–अध्यापन को आगे बढ़ाने हेतु विशेष रूप से पाण्डुलिपि डिप्लोमा, कर्मकाण्ड कोर्स, प्रायोजित पाठ्यक्रम (Sponserd Course) का निर्माण शीघ्रताशीघ्र किया जाए। शिक्षाशास्त्री (बी0एड0), ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री (बि0लिब0) में स्ववित्तपोषित के अर्न्तगत प्रवेशार्थ सीट (स्थान) की अभिवृद्धि हेतु विभागीय अध्यक्ष एवं अध्यापकगण के द्वारा सुसंगत प्रक्रिया के अर्न्तगत यथाशीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करें, साथ ही यह भी सुझाव दिया कि शास्त्री एवं आचार्य में प्रवेश हेतु अर्हता परीक्षा में संस्कृत विषय होना

Madhu

(152)

Date

आवश्यक है। जिन छात्रों का संस्कृत विषय नही है वे छात्र प्रवेश से वंचित हो जाते है इसके लिए तीन माह अथवा छः माह हेतु ब्रिज कोर्स का पाठ्यक्रम तैयार कर ऐसे छात्रों को ब्रिज कोर्स कराने के उपरान्त प्रवेश देने पर अपनी अभिव्यक्ति दी। इसी के अनन्तर गृह विज्ञान स्नातकोत्तर (एम०ए०) एवं पर्यटन के पाठ्यक्रम भी संचालित करने हेतु सम्बन्धित विभागाध्यक्ष को पाठ्यक्रम तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करे। सभी सदस्यों ने उपर्युक्त पर अपनी सहर्ष सहमति अभिव्यक्त की।

15.7.23

17/7/23

15/7/2023

15/7/23

14/07/23

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

भारतीय विद्या संस्कृति एवं संस्कृत प्रमाण पत्रीय

विभागीय अध्ययन बोर्ड की बैठक दि0 15·12·1991

भारतीय विद्या संस्कृति एवं संस्कृत प्रमाण पत्रीय विभाग के अध्ययनबोर्ड की बैठक आज दिनांक 15·12·91 को यथाविधार संकाय भवन में इस विभाग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित थे:-

1· डा0 रामेश्वरसिंह सिंह — अध्यक्ष

2· प्रो0 म0 कोमेश्वरनाथ मिश्र — सदस्य

बैठक में अधोलिखित प्रस्ताव सर्व सम्मति से स्वीकृत हुए--

1· आचार्य एवं देशी/विदेशी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के तत्समकक्ष उपाधिधारी इस विभाग में विद्यावारिधि तथा विद्यावारिधि एवं तत्समकक्ष उपाधिधारी वाचस्पति उपाधि के लिये शोध-छात्र के रूप में पंजीकृत होने के लिये अर्ह माने जायेंगे ।

2· आचार्य उपाधि तक की परीक्षा में वे ही विभागीय छात्र ~~सम्मिलित~~ सम्मिलित होने के अधिकारी होंगे जो विभाग में प्रदत्त अध्यापन व्याख्यानों में से 80% में उपस्थित रहे हों। अस्वस्थता आदि जैसी विशेष परिस्थितियों में इस अनिवार्यता में छूट के लिये विभागीय समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

3· विभागीय कक्षाओं में आभ्यासिकी (ट्यूटोरियल) कक्षायें इसी 91-92 सत्र से आरंभ की जायें। इनमें पढ़े पाठों के सम्बन्ध में पुनः प्रश्न किये जा सकेंगे तथा लेखन अभ्यास कराया जायेगा। इन कक्षाओं में ली गयी लघु परीक्षाओं में से कम से कम चार में उत्तीर्णता मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये अनिवार्य शर्त होगी ।

4· सत्र 92-93 से संस्कृत प्रमाण पत्रीय कक्षाओं में अधिसत्र (सेमेस्टर) विधि लागू की जाये। अधिसत्र (सेमेस्टर) परीक्षाओं की तिथियां सत्रारम्भ में ही घोषित की जायें। वर्तमान में एक अधिसत्र में आधी पाठ्यचर्या और द्वितीय अधिसत्र में शेष आधी पाठ्यचर्या पढ़ायी जायेगी और तदानुसार एक सत्र में दो अधिसत्र परीक्षायें होंगी। इस तरह पूरी प्रमाण पत्रीय पाठ्यचर्या छः अधिसत्रों में विभाजित होगी। आवश्यकता समझी गयी तो इसके लिये पाठ्यचर्या में अपेक्षित सुधार करने हेतु अध्ययन बोर्ड में विचार किया जायेगा ।

5· दिनांक 2·2·84 को कार्यपरिषद् की बैठक द्वारा स्वीकृत अध्यादेश के अनुसार संस्कृत योग्यता परीक्षा को इस विभाग में सम्मिलित किया जाये । इसके लिये नियम-अधोलिखित होंगे :

(क) ऐसे देशी/विदेशी जिज्ञासु, जिन्हें संस्कृत भाषा का सामान्य परिचय हो और वे संस्कृत विद्या के ग्रन्थ अथवा संप्रदाय विशेष का अध्ययन करना चाहते

--------2

हों उन्हें ऐसी सुविधा उपलब्ध करायी जाये और कार्य की पूर्णता पर परीक्षण के उपरान्त उन्हें यह प्रमाण पत्र दिया जाये कि उन्होंने उक्त ग्रन्थ/संप्रदाय का सविधि उल्लिखित समय तक अध्ययन इस विभाग में किया है ।

§ख§ ऐसे देशी/विदेशी जिज्ञासु जो संस्कृत विद्या का अध्ययन करना चाहते हों और:-

§अ§ किसी सेवा में/अन्यत्र किसी पाठ्यचर्या में रत हों।

§आ§अवकाश प्राप्त हों ।

§इ§ 40 वर्ष से अधिक आयु के हों इस पाठ्यचर्या में प्रवेश हेतु अर्ह होंगे। अध्यादेश के अनुसार ही यह पाठ्यचर्या 2 वर्षों की होगी। इसमें परीक्षा के आधार पर श्रेणी निर्धारित होगा। पर यह पाठ्यचर्या भी चार अधिसत्रों में विभाजित होगी और विभाग के अन्य कक्षाओं की तरह 80% उपस्थिति का प्रतिबन्ध इस पर रहेगा । यह पाठ्यचर्या सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की उत्तर मध्यमा पाठ्यचर्या के समकक्ष होगी। इसके लिये पाठ्यचर्या के निर्धारण हेतु अध्ययन बोर्ड की अगली बैठक में प्रारूप प्रस्तुत किया जाये ।

इन प्रस्तावों के अतिरिक्त परीक्षा विभाग से प्रेषित प्राश्निकों/परीक्षकों के रिक्त स्थानों पर नियुक्ति हेतु नाम प्रस्तावित कर भेजे गये। परीक्षकों की आकस्मिक रिक्ति की पूर्ति हेतु नाम प्रस्तावित करने की आवश्यकता रहने पर इसके लिये विभागाध्यक्ष को अधिकृत किया गया ।

15.12.91